धरती का आँगन महके

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 26]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q 1 | Page 26

प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

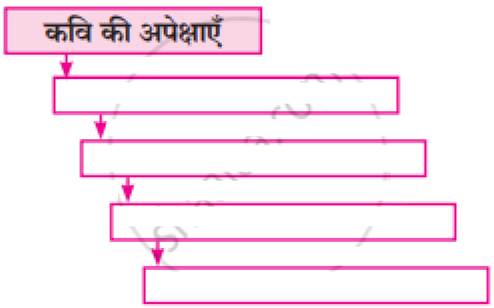

Solution: कवि की अपेक्षाएँ :

१. धरती का आँगन कर्मज्ञान-विज्ञान से महके।

२. धरती सदैव हरी-भरी रहे।

३. विनाशक अस्त्रों से इनसान का संबंध न हो।

४. सभी मिलकर वसुधा का जयगान करें।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q 2.1 | Page 26

कृति पूर्ण करो :

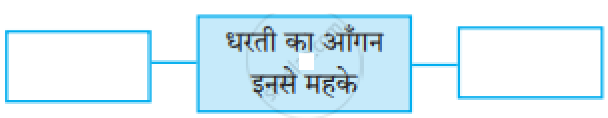

Solution:

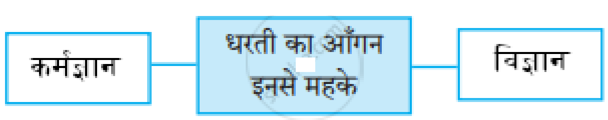

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q 2.2 | Page 26

कृति पूर्ण करो :

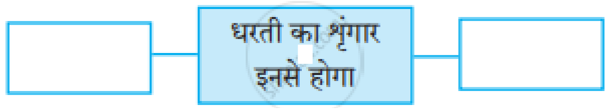

Solution:

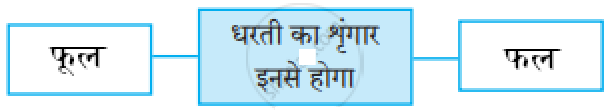

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) १. | Page 26

उत्तर लिखो :

मेधा की ऊँचाई नापेगा

Solution: मेधा की ऊँचाई नापेगा - **प्रतिभा का पैमाना**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) २. | Page 26

उत्तर लिखो :

हम सब मिलकर करें

Solution: हम सब मिलकर करें - **जयगान से वसुधा की अर्चना**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 26

कृति करो :

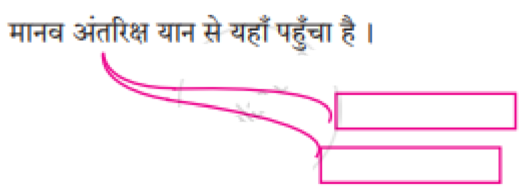

Solution:

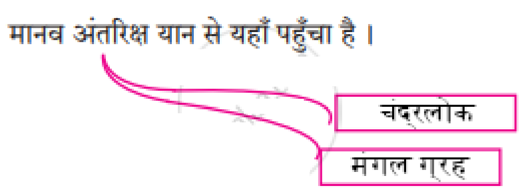

भाषा बिंदु [PAGE 26]

भाषा बिंदु | Q (अ) १. | Page 26

निम्नलिखित शब्द का समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्य में प्रयोग करो :

शरीर

Solution: शरीर - **तन**

तन स्वस्थ रहेगा, तो मन भी स्वस्थ रहेगा।

भाषा बिंदु | Q (अ) २. | Page 26

निम्नलिखित शब्द का समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्य में प्रयोग करो :

मनुष्य

Solution: मनुष्य - **इनसान**

इनसान ईश्वर की सबसे बड़ी रचना है।

भाषा बिंदु | Q (इ) ३. | Page 26

निम्नलिखित शब्द का समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्य में प्रयोग करो :

पृथ्वी

Solution: पृथ्वी - **धरती**

धरती को हरा-भरा बनाना हमारा कर्तव्य है।

भाषा बिंदु | Q (ई) ४. | Page 26

निम्नलिखित शब्द का समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्य में प्रयोग करो :

छाती

Solution: छाती - **वक्षस्थल**

राम ने **वक्षस्थल** पर माला धारण की।

भाषा बिंदु | Q (उ) ५. | Page 26

निम्नलिखित शब्द का समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्य में प्रयोग करो :

पथ

Solution: पथ - **राह**

राह मुश्किल हो फिर भी हार नहीं माननी चाहिए।

भाषा बिंदु [PAGE 26]

भाषा बिंदु | Q (आ) | Page 26

पाठों में आए सभी प्रकार के सर्वनाम ढूँढ़कर उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

Solution: १. **मैं** – पुरुषवाचक सर्वनाम

वाक्य : मैं इसका जवाब कल दूँगा।

२. **वे** – निश्चयवाचक सर्वनाम

वाक्य : वे गेंद खेलने नदी किनारे गए हैं।

३. **कोई** – अनिश्चयवाचक सर्वनाम

वाक्य : कोई हमारा विरोध नहीं करेगा।

४. **अपने** – निजवाचक सर्वनाम

वाक्य : उसने **अपने** हिस्से का भोजन दान दे दिया।

५. **कौन** – प्रश्नवाचक सर्वनाम

वाक्य : कौन यहाँ आ रहा है?

६. **जो-सो** – संबंधवाचक सर्वनाम

वाक्य : जो मेहनत करेगा **सो** सफल होगा।

उपयोजित लेखन [PAGE 26]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 26

'छाते की आत्मकथा' विषय पर निबंध लिखो।

Solution:

मैं छाता हूँ। छोटा हूँ, लेकिन बहुत उपयोगी हूँ। पूरे विश्व में लोग मेरा उपयोग करते हैं। वर्षा ऋतु में मेरे बगैर कोई अपने घर से बाहर भी नहीं निकलता है। मैं छोटे-बड़े, रंगबिरंगे अनेक रूपों में मिलता हूँ। अपनी सुविधानुसार कभी आप मुझे छोटा करके अपने थैले में डाल सकते हैं, तो कभी आप मेरा उपयोग छड़ी की भाँति भी कर सकते हैं। मैं लोगों को बरसात के साथ ही गर्मी से भी बचाता हूँ।

भारत में मेरा प्रचलन १९वीं सदी के अंत में हुआ। माना जाता है कि मेरा आविष्कार चीन में हुआ था। इसके बाद अपनी उपयोगिता के कारण मैं धीरे-धीरे पूरे विश्व में प्रसिद्ध होने लगा। चीन में शुरू-शुरू में धूप से बचने के लिए लोग मेरा उपयोग करते थे। इसके बाद मुझपर मोम की परत चढ़ाकार बरसात में मेरा उपयोग किया जाने लगा। रोम में मेरा उपयोग धूप से बचने के लिए किया जाता था। इंग्लैंड में मेरा उपयोग सबसे पहले जॉन हेरवे द्वारा किया गया था। शुरुआती दिनों में लोग मुझे पेटीकोट वाली छड़ी के रूप में जानते थे।

समय के साथ-ही-साथ मेरा रूप-रंग बदलता गया। मेरे ऊपर का कपड़ा बदला; मेरा हत्था बदला; मेरे भीतर लगने वाली तीलियाँ भी बदलीं और आज मैं आपके सामने नए-नए व आकर्षक रूप में प्रस्तुत हूँ। मेरा उपयोग आप वर्षा व धूप में तो करते ही हैं, कभी-कभी मैं छोटे-मोटे अन्य

कामों में भी काम आ जाता हूँ। मेरा निर्माण मानवजाति की सेवा के लिए हुआ था और मैं अपने इस कर्तव्य को करते हुए बहुत संतुष्ट व प्रसन्न हूँ।

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 26

मैंने समझा

____

____

____

Solution: मनुष्य को अपने कर्म, ज्ञान व विज्ञान से विकास की राह पर आगे बढ़ना चाहिए। विध्वंसक अस्त्र-शस्त्र का निर्माण कर एक-दूसरे के मन में भय उत्पन्न करने की अपेक्षा प्रेम व सहयोग की भावना का निर्माण करना श्रेष्ठ है। यह संपूर्ण धरती एक परिवार है और हम सभी उसके सदस्य हैं। इस भावना में ही संपूर्ण मानवजाति का विकास निहित है।